



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

23 अग्रहायण 1938 (श0)
(सं० पटना 1056) पटना, बुधवार, 14 दिसम्बर 2016

सं० 11/एड्स(विविध)-02/2013-904(11)
स्वास्थ्य विभाग

संकल्प
12 सितम्बर 2016

विषय:— बिहार राज्य के एच० आई० वी० संक्रमित व्यक्तियों के सहायतार्थ एंटी रेट्रोवाइरल थेरापी (ए०आर०टी०) केन्द्र पर आने-जाने के लिए प्रति व्यक्ति रू० 100/- (एक सौ) यात्रा अनुदान की स्वीकृति के संबंध में।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के ए०आर०टी० की मार्गदर्शिका के अनुसार ए०आर०टी० केन्द्र में पंजीकृत सभी एच०आई०वी० संक्रमित व्यक्तियों को प्रत्येक माह ए०आर०वी० दवा लेने के लिए एवं प्रत्येक छः (6) महीने पर सी०डी०-4 जाँच कराने के लिए ए०आर०टी० केन्द्र अथवा नजदीकी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल या सदर अस्पताल में जाना आवश्यक होता है। जैसे-जैसे एड्स की अवस्था करीब आती जाती है, वैसे-वैसे बीमारी की अवधि एवं गंभीरता बढ़ती जाती है। परन्तु आर्थिक तंगी के कारण वे समय पर स्वास्थ्य केन्द्रों पर नहीं पहुँच पाते हैं या अपना ए०आर०वी० उपचार बीच में ही छोड़ देते हैं।

2. एच०आई०वी० संक्रमित व्यक्ति समय पर ए०आर०टी० केन्द्र में अपना पंजीकरण कराकर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से लाभान्वित होकर स्वस्थ एवं लम्बा जीवन व्यतीत कर सकें इसके लिए बिहार राज्य के एच०आई०वी० संक्रमित व्यक्तियों के सहायतार्थ ए०आर०टी० केन्द्र पर आने-जाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को यात्रा अनुदान देने का प्रस्ताव राज्य सरकार के विचाराधीन था।
3. सम्यक विचारोपरांत राज्य सरकार के द्वारा एच०आई०वी० संक्रमित व्यक्तियों को ए०आर०टी० केन्द्र/मेडिकल कॉलेज व अस्पताल/सदर अस्पताल में एच०आई०वी० संक्रमित व्यक्तियों को आने-जाने हेतु यात्रा अनुदान के रूप में प्रति व्यक्ति 100/- (एक सौ रुपये) यात्रा अनुदान की स्वीकृति प्रदान की जाती है।
4. यह सुविधा बिहार के स्थायी निवासी और किसी भी ए०आर०टी० केन्द्र में पंजीकृत रोगी को ही देय होगी तथा एच०आई०वी० संक्रमित व्यक्तियों की पहचान और उनके ए०आर०टी० केन्द्र पर आने के उद्देश्य के लिए बिहार के सभी ए०आर०टी० केन्द्रों के सीनियर मेडिकल ऑफिसर/मेडिकल ऑफिसर अधिकृत होंगे।

5. इस योजना पर निम्न विवरणी के अनुसार अनुमानित आवर्तक व्यय रुपया 2,43,75,800 /—(दो करोड़ तैंतालीस लाख पचहत्तर हजार आठ सौ रुपये) अनुमानित है, जिसका वहन सब्सिडी मद से किया जाएगा।

क्र० सं०	ए०आर०टी० केन्द्र में पंजीकृत एच०आई०वी० संक्रमित व्यक्तियों की श्रेणी एवं संख्या	ए०आर०टी० केन्द्र आने-जाने में अनुमानित वार्षिक व्यय राशि
1.	ए०आर०वी० दवा का सेवन करने वाले एच०आई०वी० संक्रमित व्यक्तियों की संख्या, जिन्हें प्रतिमाह ए०आर०टी० केन्द्र पर आना आवश्यक है—15,532	15532X रु० 100X12 माह = रु० 1,86,38,400
2.	प्रत्येक छः(6) माह पर सी०डी० 4 जाँच कराने के लिए ए०आर०टी० केन्द्र पर आनेवाले व्यक्तियों की संख्या जिन्हें ए०आर०टी० केन्द्र पर आना आवश्यक है—28,687	28687X रु० 100X2 बार = रु० 57,37,400
	कुल वार्षिक व्यय राशि	रु० 2,43,75,800 (मात्र दो करोड़ तैंतालीस लाख पचहत्तर हजार आठ सौ रुपये)

6. इस योजना पर होने वाले व्यय का वहन मांग संख्या-20 के अन्तर्गत मुख्य शीर्ष-2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य, उपमुख्य शीर्ष-01-शहरी स्वास्थ्य सेवाएँ-एलोपैथी, लघु शीर्ष-001-निदेशन और प्रशासन, उप शीर्ष-0001-स्वास्थ्य निदेशालय, विपत्र कोड-N2210010010001 के विषय शीर्ष 33 01 सब्सिडी में राशि का उपबंध कराकर किया जाएगा।

7. प्रस्ताव मंत्रिपरिषद् की बैठक दिनांक 05.07.2016 के मद संख्या-12 द्वारा स्वीकृति प्राप्त है।

आदेश:—आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को बिहार राजपत्र के असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
शेखर चन्द्र वर्मा,
सरकार के संयुक्त सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 1056-571+10-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>